

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास विभाग,
उत्तरांचल, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग

देहरादून : दिनांक : 9 अक्टूबर, 2006

विषय: नगर पंचायत, कालाढूंगी (नैनीताल) हेतु अवस्थापना विकास निधि से वित्तीय वर्ष 2005-06 में सी.सी.सड़कों हेतु स्वीकृत कार्यों को टाइल सड़कों में परिवर्तित करने के फलस्वरूप संशोधित आगणन पर वित्तीय वर्ष 2006-07 में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 341/V-श.वि.-06-244(सा.)/2005 दिनांक 20.2.2006, शासनादेश संख्या 481/V-श.वि.-06-244(सा.)/2005 दिनांक 6.3.2006 एवं शासनादेश संख्या 801/V-श.वि.-06-166(सा.)टी.सी./03 दिनांक 29.3.2006 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त शासनादेश द्वारा स्वीकृत सी.सी. सड़कों को टाइल सड़कों में परिवर्तित किए जाने हेतु, नगर पंचायत, कालाढूंगी (नैनीताल) द्वारा प्रस्तुत संशोधित आगणन रु. 78.93लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त, संलग्न सूची में अंकित विवरणानुसार रु. 76.31लाख (रु. छिहत्तर लाख इकत्तीस हजार मात्र) की लागत की पुनरीक्षित प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं।

2- उक्त शासनादेश शासनादेश दिनांक 20.2.2006 द्वारा स्वीकृत रु. 108.30लाख के सापेक्ष शासनादेश दिनांक 29.3.2006 द्वारा मात्र रु. 93.82लाख की धनराशि आहरित करने के निर्देश जारी किए गये थे। इस प्रकार पूर्व स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष भी रु. 14.22लाख अवमुक्त होने हेतु शेष है।

3- अतएव उपरोक्त संशोधित आगणन की अनुमोदित धनराशि रु. 76.31लाख की लागत से पूर्व में उक्त शासनादेश दिनांक 20.2.2006 व शासनादेश दिनांक 6.3.2006 द्वारा सी.सी. सड़कों हेतु स्वीकृत रु. 46.87लाख की धनराशि को कम करते हुए स्वीकृति हेतु अवशेष क्रमशः रु. 29.44लाख तथा उपरोक्त प्रस्तर-2 की अवशेष धनराशि रु. 14.22लाख, इस प्रकार कुल रु. 43.66लाख (रु. 29.44लाख+रु. 14.22लाख) (रु. तितालीस लाख छियासठ हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त धनराशि आपके द्वारा आहरित कर संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
2. अवस्थापना विकास मद से स्वीकृत की जा रही धनराशि को स्थानीय निकायों के द्वारा अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी का संयुक्त रूप से एक पृथक खाता किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खोल कर जमा किया जायेगा। किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य मदों में न किया जाय। इसके लिए संबंधित अधिशासी अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
3. उक्त धनराशि का उपयोग उन्हीं योजनाओं एवं मदों के लिए किया जायेगा, जिन योजनाओं एवं मदों के लिए धनराशि स्वीकृत की गयी है। किसी भी दशा में धनराशि का व्यावर्तन किसी अन्य योजना/मद में नहीं किया जायेगा।

टाइल सड़कों के निर्माण हेतु शासनादेश संख्या 3173/V-श.वि./2006 दिनांक 30.8.2006, जो वित्त विभाग की सहमति से जारी किया गया है, का अनुपालन बाध्यकारी होगा।

(मायावती टिकरियाल)
अनुसूचित
शहरी विकास विभाग
उत्तरांचल शासन

5. स्वीकृत धनराशि के व्यय अथवा निर्माण करने से पूर्व सभी योजनाओं/कार्यों पर संबंधित मानचित्र एवं विस्तृत आगणन गठित कर तकनीकी दृष्टिकोण से समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करते हुए एवं विशिष्टियों का अनुपालन करते हुए प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा। बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाए।
6. उक्त योजनाओं की उक्त पुनरीक्षण के बाद पुनः भविष्य में कोई अन्य पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।
7. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए, जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
8. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
9. संबंधित कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित निर्माण एजेंसी के अधिशासी अभियंता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूपेण उत्तरदायी होंगे।
10. स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर परचेज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। एकमुश्त प्राविधान के विस्तृत आगणन गठित कर लिये जाये और इन पर यदि किसी तकनीकी अधिकारी के कार्य कराने से पूर्व का अनुमोदन प्राप्त करना नियमानुसार आवश्यक हो तो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उक्त अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये।
11. निर्माण एजेंसी के चयन में शासनादेश संख्या 452/XXVII(1)/2005 दिनांक 05 अप्रैल 2005 में निर्गत निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
12. यदि उक्त कार्य अन्य विभागीय/नगर निकाय के बजट से स्वीकृत हो चुके हैं या कराये जा चुके हैं, तब संबंधित योजना/कार्य के लिए इस शासनादेश द्वारा अवमुक्त की जा रही धनराशि का कोषागार से आहरण न करके उसकी सूचना शासन को देकर आवश्यक धनराशि शासन को तत्काल समर्पित कर दी जायेगी।
13. कार्य करने के बाद कार्य स्थान पर योजना के पूर्ण विवरण के साथ अर्थात् योजना की लागत, लम्बाई, कार्यदायी संस्था, ठेकेदार का नाम, प्रारम्भ करने का समय, पूर्ण करने का समय तथा वित्त पोषण के श्रोत के विवरण के साथ एक साइनबोर्ड उक्त योजना की लागत से ही लगा दिया जायेगा।
14. जी.पी.डब्ल्यू. फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य संपादित करना होगा तथा समय से कार्य पूर्ण न करने पर निर्माण इकाई से आगणन की कुल लागत का 10 प्रतिशत की दर से दण्ड वसूल किया जायेगा।
15. सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के संबंध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायें तथा यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं तो संबंधित संस्था को अग्रेत्तर धनराशि उक्त मानकों को पूर्ण करने पर निर्गत की जायेगी। निर्माण एजेंसी को एकमुश्त पूर्ण धनराशि अवमुक्त न करके दो अथवा तीन किशतों में धनराशि अवमुक्त की जायेगी और अंतिम किशत तब ही निर्गत की जाये, जब कार्य की गुणवत्ता ठीक हो, शासनादेश के मानकों के अनुरूप हो।
16. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण संबंधित विभाग के अधिशासी अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

मान्य
(मायावती ठाकुरियाल)
अनुसंधान
शहरी विकास विभाग
धनराशि का प्रारम्भ

उक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि की प्रतिपूर्ति का प्रस्ताव अविलम्ब शासन को प्रेषित किया जायेगा।

नगर पंचायत कालादूंगी (बैनीताल)-

शासनादेश संख्या : २५६७ / V-2006-244(शा0) / 2005, दिनांक-१ नवम्बर, 2006 का संलग्नक
(लाख रुपये में)

क्र०सं०	कार्य का नाम	सी०सी०सड कों हेतु स्वीकृत एवं अवमुक्त धनराशि (वर्ष 2005-06)	टाईल सडकों के लिए टी.ए.सी. से अनुमोदित आगणन	अंतर की धनराशि की स्वीकृति
01	मस्जिद गेट से पी०डब्ल्यू०डी० रोड तक इन्टरलाकिंग टाईल्स सडक एवं नाली निर्माण, वार्ड नं०-4	6.97	12.04	5.07
02	पी०डब्ल्यू०डी० रोड से कमरेडी स्कूल तक (अन्य गलियों सहित) इन्टरलाकिंग टाईल्स सडक एवं नाली निर्माण, वार्ड नं०-4	10.25	15.86	5.61
03	पी०डब्ल्यू०डी० रोड से खाती ग्राभोरोग कार्यालय तक इन्टरलाकिंग टाईल्स सडक एवं नाली निर्माण, वार्ड नं०-1	9.20	14.11	4.91
04	श्री कान्तावल्लभ की दुकान से नहर लाकिंग टाईल्स सडक एवं नाली निर्माण, वार्ड नं०-1	1.80	5.16	3.36
05	श्री मदन सिंह के मकान से नन्दलाल के मकान तक इन्टरलाकिंग टाईल्स सडक एवं नाली निर्माण, वार्ड नं०-1	2.05	3.80	1.75
06	पी०डब्ल्यू०डी० रोड से मेहरा एवं तार रोम के मकान तक इन्टरलाकिंग टाईल्स सडक एवं नाली निर्माण, वार्ड नं०-4	3.00	5.21	2.21
07	पी०डब्ल्यू०डी० रोड से वी०के० जोशी एवं ओटू के मकान तक इन्टरलाकिंग टाईल्स सडक एवं नाली निर्माण, वार्ड नं०-1	2.00	3.04	1.04
08	श्री नेगी के मकान से गंगा देवी गगिर तक इन्टरलाकिंग टाईल्स सडक एवं नाली निर्माण, वार्ड नं०-1	11.60	17.09	5.49
	कुल योग-	46.87	76.31	29.44

(रुपये उन्तीस लाख चौवालिस हजार मात्र)


(नगरपाली इंजिनियर)
नगरपाली
नगरपाली विभाग
नगरपाली कार्यालय

18. विस्तृत आगणन में ली जाने वाली दरों का अनुमोदन निकटतम लौ.नि.वि. के अधिशासी अभियन्ता से आवश्यक होगा एवं कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्यों का स्थल निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लिया जाए एवं स्थल पर आवश्यकतानुसार ही कार्य किये जायेंगे।
19. निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
20. कार्य पूर्ण होने पर इसी वित्तीय वर्ष में उक्त कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण राज्य सरकार को तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र भी शासन को उपलब्ध करा दिया जाये।
21. कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
22. मुख्य सचिव महोदय, उत्तरांचल शासन को शासनोद्देश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

3- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 13 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-03- छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05- नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास" के मानक मद '20 सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता' के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 962/XXVII(2)/2006 दिनांक 19अक्टूबर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोपरि।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)
सचिव।

संख्या 2487⁷(1)/V/2006 तददिनांक 9 || 11 || 06

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित : -

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तरांचल, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा. नगर विकास मंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
4. आयुक्त, कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।
5. जिलाधिकारी, नैनीताल।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
8. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करने का कष्ट करें।
9. अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, कालाढूंगी (नैनीताल)।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(मायावती ठाकुरियाल)
अनुसंधान
शहरी विकास विभाग
उत्तरांचल शासन

आज्ञा से,

(एन. के. जोशी)
अपर सचिव।